बाप समान फरिश्ता वर्ष

अव्यक्त मुरली रिवीजन – व्यर्थ समय मुक्त

18.11.2012

1. **स्वमान** – मैं मास्टर विश्व कल्याणकारी हूँ।

- जरा सोचो, विश्व कल्याणकारी परमात्मा ने जिन आत्माओं को विश्व कल्याण की जिम्मेवारी सौंपी हो, जिन्हें सारे विश्व से अज्ञान अंधकार को मिटाना हो, जिन्हें रावण राज्य को समाप्त कर राम राज्य की स्थापना करनी हो, जिन्हें विश्व की सर्व आत्माओं को मुक्ति-जीवनमुक्ति प्रदान करनी हो, जिन्हें प्रकृति के पाँचों तत्वों को पावन करना हो, जिन्हें भक्त आत्माओं की मनोकामनाएँ पूर्ण करनी हो..क्या वे व्यर्थ की बातों में, आलस्य वा अलबेलेपन में अपना अमूल्य समय नष्ट कर सकते हैं... ? ? ?

2. **योगाभ्यास** –

अ. मास्टर विश्व कल्याणी बन, कभी विश्व के गोले को अपने हाथ में लेकर....तो कभी कल्पवृक्ष के नीचे बैठकर सर्व आत्माओं को गति-सद्गति, मुक्ति-जीवनमुक्ति व शुभभावना-शुभकामना के वायब्रेशन्स दें....।

ब. जैसे बापदादा इस पुरानी दुनिया और पुराने देह में अवतरित होते हैं, वैसे ही मैं मास्टर विश्व कल्याणी इस पुरानी दुनिया व देह में आया हूँ सबको ईश्वरीय पैगाम देने और श्रेष्ठ वायब्रेशन फैलाने...।

स. अंतिम दृश्य – हमारी पढ़ाई का परिणाम घोषित हो रहा है...हममें से कुछ राजा घोषित किए जा रहे हैं और कुछ प्रजा...किसी की आँखों में खुशी के आँसू हैं तो किसी की आँखों में गम का सैलाब...रोने वाले सोच रहे हैं - काश हमने अपना समय व्यर्थ में ना गँवाया होता..मैं कौन सी पंक्ति में खड़ा होना चाहूँगा.. ?

3. **धारणा** – अपने समय के खजाने को वेस्ट से बचाना

- **'संगमयुग का एक सेकण्ड एक वर्ष के बराबर है।' – शिव भगवानुवाच**
- कहते हैं कि जो समय को नष्ट करते हैं, एक दिन समय उन्हें नष्ट कर देता है।

4. **चिंतन** –

- वर्तमान संगमयुगी समय का महत्व ? क्या-क्या सिर्फ अभी संगमयुग में ही किया जा सकता है, अन्य युगों में नहीं ? ?
- हम अपने समय को कहाँ-कहाँ वेस्ट करते हैं ?
- अपने संगमयुगी अमूल्य समय को पूरा-पूरा सफल कैसे करें ?

5. **साधकों प्रति** – प्रिय साधकों ! कहावत है कि समय और तूफान किसी के रोके नहीं रुकते। समय का चक्र चलता ही रहता है। जो इसे सफल कर लेते हैं, उनका जीवन सफल हो जाता है और जो इसे मूल्य नहीं देते, उनका जीवन मूल्यहीन कंकड-पत्थर की तरह हो जाता है। अतः हम अपने एक-एक पल को बाबा की याद व सेवा में सफल करें और कल्प-कल्पांतर के लिये अपना जीवन सफल बनाएँ।